

31.10.18

पगावली पेशे इहे वकील वाडीपा उपान्धत  
नही। 3 बार भावाज डिलवाइ गइ। बार-बार  
भावाज डिलवाने परभी वकील वाडीपा  
उपान्धत नही। खाने पर वाड वाडीपा अउम  
पैरकी अउम हाजरी में श्वारिज विना जाता है।  
पगावली पे सब शुक्रा होकर नम्बर से  
क्रम की परवा डालिल डपुतर हो।